खेल विभाग
बिहार सरकार

FOOTBALL

फुटबॉल

अनुक्रमणिका

क्र0	विषय	पृष्ठ सं0
1.	फुटबॉल का इतिहास	3
2.	नियम	4—5
3.	मार्किंग	6—7
4.	स्कोर शीट	8
5.	उपस्कर	9—10
6.	फुटबॉल में उपयोग होने वाले शब्द	11—12
7.	संघ	13
8.	प्रतियोगिताएँ	14—15
9.	भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन	16
10.	**FAQ**	17—18

फुटबॉल का इतिहास

फुटबॉल, जिसे आमतौर पर सॉकर के नाम से भी जाना जाता है, एक टीम खेल है जो दो टीमों के बीच खेला जाता है, जिसमें प्रत्येक में 11 खिलाड़ी होते हैं। इस खेल का उद्देश्य विरोधी टीम के गोल में गेंद डालकर अंक प्राप्त करना है। मुख्य रूप से खिलाड़ी अपने पैरों का उपयोग करके गेंद को नियंत्रित करते हैं, हालांकि वे अपने शरीर के अन्य हिस्सों (हाथों को छोड़कर) का भी उपयोग कर सकते हैं। यह खेल एक आयताकार मैदान पर खेला जाता है जिसके प्रत्येक छोर पर एक गोलपोस्ट होता है। फुटबॉल दुनिया के सबसे लोकप्रिय और व्यापक रूप से खेले जाने वाले खेलों में से एक है।

नियम

1. मैदान और खिलाड़ीः

- फुटबॉल एक आयताकार मैदान पर खेला जाता है, जिसके प्रत्येक छोर पर एक गोलपोस्ट होता है।
- प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं, जिनमें एक गोलकीपर शामिल होता है।

2. खेल का उद्देश्य :

- दोनों टीमों का मुख्य लक्ष्य गेंद को विरोधी टीम के गोलपोस्ट में डालकर गोल करना होता है।

3. गेंद को कैसे खेलेंः

- खिलाड़ी गेंद को नियंत्रित करने और आगे बढ़ाने के लिए मुख्य रूप से अपने पैरों का उपयोग करते हैं।
- वे अपने शरीर के अन्य हिस्सों (जैसे छाती, सिर) का भी उपयोग कर सकते हैं।
- गोलकीपर को छोड़कर किसी भी खिलाड़ी को गेंद को अपने हाथों या बाजुओं से छूने की अनुमति नहीं होती है, जब तक कि वे थ्रो–इन नहीं ले रहे हों।

4. गोलकीपर के नियमः

- गोलकीपर ही अपनी टीम के पेनल्टी क्षेत्र (Penalty Area) के अंदर गेंद को हाथों से छू सकता है।
- पेनल्टी क्षेत्र के बाहर, गोलकीपर भी एक सामान्य खिलाड़ी की तरह ही खेलता है और उसे गेंद को हाथों से छूने की अनुमति नहीं होती।

5. खेल की अवधिः

- एक फुटबॉल मैच 45–45 मिनट के दो हिस्सों में खेला जाता है, जिसके बीच में 15 मिनट का हाफ–टाइम ब्रेक होता है।
- कुल मिलाकर मैच 90 मिनट का होता है, जिसमें अतिरिक्त समय (Injury time या Stoppage time) जोड़ा जा सकता है।

6. फाउल और फ्री किकः

- विरोधी खिलाड़ी को जानबूझकर धक्का देना, ट्रिप करना, पकड़ना या मारना फाउल माना जाता है।
- फाउल होने पर, विरोधी टीम को फाउल वाली जगह से फ्री किक मिलती है।
- यदि कोई फाउल पेनल्टी क्षेत्र के अंदर होता है, तो विरोधी टीम को पेनल्टी किक मिलती है।

7. ऑफसाइड का नियम (Offside Rule):

- यह एक महत्वपूर्ण नियम है जो खिलाड़ियों को हमेशा गोलकीपर के पीछे रहने से रोकता है।
- एक खिलाड़ी ऑफसाइड तब होता है जब वह गेंद को पास किए जाने के समय विरोधी टीम के गोलपोस्ट के अधिक करीब होता है, और उसके और गोलकीपर के बीच केवल एक ही विरोधी खिलाड़ी (आमतौर पर गोलकीपर) होता है।

8. थ्रो–इन, गोल किक और कॉर्नर किकः

- थ्रो–इनः जब गेंद साइडलाइन से बाहर जाती है, तो विरोधी टीम उस जगह से दोनों हाथों से सिर के ऊपर से गेंद को मैदान में फेंकती है।
- गोल किकः जब गेंद गोललाइन से बाहर जाती है और हमलावर टीम ने उसे आखिरी बार छुआ हो, तो डिफेंडिंग टीम को गोलकीपर के गोल एरिया से किक मिलती है।
- कॉर्नर किकः जब गेंद गोललाइन से बाहर जाती है और डिफेंडिंग टीम ने उसे आखिरी बार छुआ हो, तो हमलावर टीम को कॉर्नर किक मिलती है, जिसे कॉर्नर एरिया से लिया जाता है।

9. लाल और पीला कार्डः

- पीला काडर्रू गंभीर फाउल या खेल भावना के विरुद्ध व्यवहार के लिए चेतावनी के रूप तौर पर दिया जाता है।
- लाल कार्डः बहुत गंभीर फाउल या दो पीले कार्ड मिलने पर खिलाड़ी को मैदान से बाहर कर दिया जाता है। लाल कार्ड मिलने पर वह खिलाड़ी मैच से बाहर हो जाता है और उसकी जगह कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं ले सकता।

मार्किंग

1. मैदान की रेखाएँ (Field Lines):

- साइडलाइन (Side Lines): ये मैदान की लंबाई को दर्शाती हैं और इन्हें ष्टचलाइनष् भी कहा जाता है। जब गेंद इन रेखाओं से बाहर जाती है, तो ष्थ्रो–इनष् लिया जाता है। इनकी लंबाई अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए 100–110 मीटर (110–120 यार्ड) होती है।
- गोललाइन (ळवंस स्पदमे): ये मैदान की चौड़ाई को दर्शाती हैं और प्रत्येक छोर पर गोलपोस्ट के पीछे होती हैं। जब गेंद इन रेखाओं से बाहर जाती है और गोल नहीं होता, तो 'गोल किक' या 'कॉर्नर किक' दी जाती है। इनकी चौड़ाई 64–75 मीटर (70–80 यार्ड) होती है।
- सेंटर लाइन (Centre Line): यह रेखा मैदान को दो बराबर हिस्सों में बांटती है। मैच की शुरुआत में और प्रत्येक गोल के बाद गेंद को यहीं रखा जाता है।

2. सेंटर सर्कल और सेंटर मार्क (Centre Circle and Centre Mark):

- सेंटर मार्कः यह मैदान के बिल्कुल बीच में होता है, जहाँ से खेल की शुरुआत होती है।
- सेंटर सर्कलः सेंटर मार्क के चारों ओर एक वृत्त होता है, जिसकी त्रिज्या 9.15 मीटर (10 यार्ड) होती है। खेल की शुरुआत में, विरोधी टीम के खिलाड़ी इस वृत्त के बाहर रहते हैं।

3. गोल एरिया (Goal Area):

- यह गोलपोस्ट के ठीक सामने एक छोटा आयताकार क्षेत्र होता है। यह गोललाइन से 5.5 मीटर (6 यार्ड) की दूरी पर होता है। गोल किक इसी क्षेत्र के अंदर से ली जाती है।

4. पेनल्टी एरिया (Penalty Area):

- इसे '18–यार्ड बॉक्स' के नाम से भी जाना जाता है। यह गोल एरिया से बड़ा आयताकार क्षेत्र होता है और गोललाइन से 16.5 मीटर (18 यार्ड) की दूरी पर होता है।
- गोलकीपर ही इस क्षेत्र के अंदर गेंद को हाथों से छू सकता है।
- यदि डिफेंडिंग टीम का कोई खिलाड़ी इस क्षेत्र के अंदर फाउल करता है, तो विरोधी टीम को पेनल्टी किक मिलती है।

5. पेनल्टी मार्क और पेनल्टी आर्क (Penalty Mark and Penalty Arc):

- पेनल्टी मार्कः यह पेनल्टी एरिया के अंदर गोललाइन से 11 मीटर (12 यार्ड) की दूरी पर एक छोटा सा बिंदु होता है, जहाँ से पेनल्टी किक ली जाती है।

- पेनल्टी आर्क: यह पेनल्टी मार्क से 9.15 मीटर (10 यार्ड) की दूरी पर पेनल्टी एरिया के बाहर एक चाप होता है। पेनल्टी किक लेते समय, पेनल्टी लेने वाले खिलाड़ी और गोलकीपर के अलावा अन्य सभी खिलाड़ी इस आर्क के बाहर रहते हैं।

6. कॉर्नर एरिया (Corner Area):

- मैदान के प्रत्येक कोने पर एक चौथाई वृत्त (quarter circle) चिह्नित होता है, जिसकी त्रिज्या 1 मीटर (1 यार्ड) होती है। जब गेंद गोललाइन से बाहर जाती है और डिफेंडिंग टीम ने उसे आखिरी बार छुआ हो, तो कॉर्नर किक इसी क्षेत्र से ली जाती है।

7. फ्लैग पोस्ट (Flag Posts):

- मैदान के चारों कोनों पर झंडे लगे होते हैं, जो कॉर्नर एरिया को चिह्नित करते हैं। सेंटर लाइन पर साइडलाइन से बाहर भी झंडे लगाए जा सकते हैं।

सभी मार्किंग लाइनें आमतौर पर सफेद रंग की होती हैं और इनकी चौड़ाई 12 सेंटीमीटर (5 इंच) से अधिक नहीं होनी चाहिए। ये मार्किंग्स खेल के प्रवाह, खिलाड़ियों की स्थिति और नियमों के उल्लंघन का निर्धारण करने में निर्णायक भूमिका निभाती हैं।

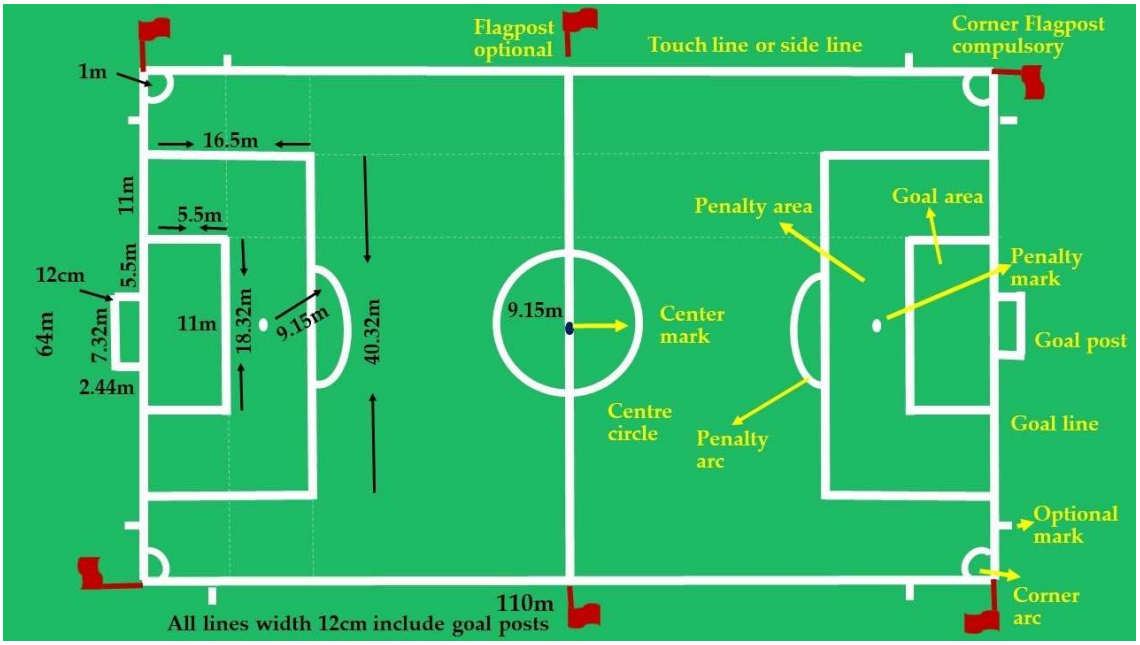

फुटबॉल स्कोर शीट (Football Score Sheet)

Date:	Game Time:
Field #:	Referees:
Score Keeper:	

Home Team:			Jersey Color:		
First Half (12 Minutes)			Second Half (12 Minutes)		
Points	Pass or Run	Running Total	Points	Pass or Run	Running Total
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
First Half Points:			Second Half Points:		
Total Points for The Game:					

Visiting Team:			Jersey Color:		
First Half (12 Minutes)			Second Half (12 Minutes)		
Points	Pass or Run	Running Total	Points	Pass or Run	Running Total
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
6 / 2 / 1			6 / 2 / 1		
First Half Points:			Second Half Points:		
Total Points for The Game:					

खेल उपस्कर

1. **फुटबॉल (The Ball):**

   - यह सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है। यह आमतौर पर गोल आकार की होती है और विभिन्न आकारों (जैसे साइज 5) में उपलब्ध होती है जो आयु वर्ग के अनुसार भिन्न होते हैं। फुटबॉल का परिधि 68 से 70 से0मी0 एवं वजन 410 ग्राम से 450 ग्राम के बीच होता है।

2. **जर्सी/टीम किट (Jersey/Team Kit):**

   - प्रत्येक टीम के खिलाड़ी एक ही रंग की जर्सी (शर्ट) पहनते हैं ताकि उन्हें पहचाना जा सके।
   - जर्सी पर खिलाड़ी का नंबर होता है।
   - इसमें शॉर्ट्स (हाफ पैंट) और मैचिंग मोजे (स्टॉकिंग्स) भी शामिल होते हैं।

3. **फुटबॉल शूज/क्लीट्स (Football Shoes/Cleats):**

   - ये विशेष जूते होते हैं जिनमें तलवों पर स्टड या क्लीट्स लगे होते हैं। ये घास के मैदान पर खिलाड़ियों को बेहतर पकड़ और संतुलन प्रदान करते हैं।

4. **शिन गार्ड्स/पिंडली रक्षक (Shin Guards):**

   - ये पिंडली (टाँग के निचले हिस्से) को चोट से बचाने के लिए पहने जाते हैं। इन्हें आमतौर पर मोजों के अंदर पहना जाता है।

5. **गोलकीपर के दस्ताने (Goalkeeper Gloves):**
   - केवल गोलकीपर ही दस्ताने पहनते हैं। ये दस्ताने गेंद को पकड़ने में मदद करते हैं और हाथों को चोट से बचाते हैं।

6. **गोल पोस्ट (Goal Posts):**
   - मैदान के दोनों छोर पर गोलपोस्ट होते हैं, जिनमें गेंद डालकर गोल किया जाता है। ये आमतौर पर धातु या अन्य मजबूत सामग्री से बने होते हैं और इनमें एक नेट लगा होता है।

7. **नेट (Nets):**

- यह गोलपोस्ट पर लगा होता है ताकि जब कोई गोल किया जाए तो गेंद गोलपोस्ट के अंदर ही रहे।

8. **कॉर्नर फ्लैग्स (Corner Flags):**

- मैदान के चारों कोनों पर फ्लैग पोस्ट होते हैं जो कॉर्नर एरिया को चिह्नित करते हैं।

अन्य सहायक उपकरण (Other Auxiliary Equipment):

- वॉटर बॉटल (Water Bottles): खिलाड़ियों को हाइड्रेटेड रहने के लिए।
- प्रशिक्षण उपकरण (Training Equipment): कोन, एगिलिटी लैडर (फुर्ती सीढ़ी), ट्रेनिंग बिब्स (प्रैक्टिस के लिए अलग रंग की जर्सी) आदि का उपयोग प्रशिक्षण के दौरान किया जाता है।
- रेफरी उपकरण (Referee Equipment): रेफरी के पास सीटी (ीपेजसम), पीला और लाल कार्ड, टाइमर और मैच रिकॉर्ड करने के लिए एक नोटबुक होती है।
- मेडिकल किट (Medical Kit): मैदान पर खिलाड़ियों को लगने वाली चोटों के लिए प्राथमिक उपचार।

फुटबॉल में उपयोग होने वाले शब्द

- गोल (Goal): जब गेंद को विरोधी टीम के गोलपोस्ट में डाला जाता है, तो उसे गोल करना कहते हैं। यह खेल में अंक अर्जित करने का मुख्य तरीका है।
- किक (Kick): गेंद को पैर से मारना।
- पास (Pass): एक खिलाड़ी द्वारा गेंद को अपने टीम के साथी खिलाड़ी तक पहुँचाना।
- ड्रिबल (Dribble): गेंद को पैरों के नियंत्रण में रखते हुए आगे बढ़ना और विरोधियों को चकमा देना।
- फाउल (Foul): खेल के नियमों का उल्लंघन करना, जैसे किसी खिलाड़ी को अनुचित तरीके से धक्का देना या पकड़ना।
- पेनल्टी किक (Penalty Kick): पेनल्टी क्षेत्र के अंदर हुए गंभीर फाउल के बाद विरोधी टीम को गोल पर सीधे शॉट लेने का अवसर मिलता है।
- फ्री किक (Free Kick): फाउल होने के बाद गेंद को बिना किसी विरोधी खिलाड़ी की बाधा के सीधे किक मारना। यह दो प्रकार की होती हैरू प्रत्यक्ष (Direct) और अप्रत्यक्ष (Indirect)।
- ऑफसाइड (Offside): यह एक नियम है जो हमलावर खिलाड़ी को तब अवैध स्थिति में होने पर दंडित करता है जब वह गेंद को पास किए जाने के समय विरोधी टीम के गोलपोस्ट के अधिक करीब हो और उसके और गोलकीपर के बीच केवल एक ही विरोधी खिलाड़ी हो।
- थ्रो–इन (Throw-in): जब गेंद साइडलाइन से बाहर जाती है, तो विरोधी टीम उस जगह से दोनों हाथों से सिर के ऊपर से गेंद को मैदान में फेंकती है।
- कॉर्नर किक (Corner Kick): जब डिफेंडिंग टीम के खिलाड़ी द्वारा छुई गई गेंद गोललाइन से बाहर जाती है (गोलपोस्ट के अलावा), तो हमलावर टीम को मैदान के कोने से किक मारने का अवसर मिलता है।
- गोल किक (Goal Kick): जब हमलावर टीम के खिलाड़ी द्वारा छुई गई गेंद गोललाइन से बाहर जाती है (गोलपोस्ट के अलावा), तो डिफेंडिंग टीम के गोलकीपर या कोई अन्य खिलाड़ी गोल एरिया से किक मारता है।
- हैंडबॉल (Handball): गोलकीपर को छोड़कर किसी अन्य खिलाड़ी द्वारा गेंद को जानबूझकर हाथ या बाजुओं से छूना, जो एक फाउल है।
- हाफ (Half): फुटबॉल मैच 45–45 मिनट के दो हिस्सों (हाफ) में खेला जाता है।
- रेफरी (Referee): खेल के नियमों को लागू करने वाला मुख्य अधिकारी।
- सहायक रेफरी / लाइंसमैन (Assistant Referee / Linesman): रेफरी की मदद करने वाले अधिकारी, जो ऑफसाइड और गेंद के मैदान से बाहर जाने पर संकेत देते हैं।
- स्ट्राइकर (Striker): वह खिलाड़ी जिसका मुख्य काम गोल करना होता है।
- डिफेंडर (Defender): वह खिलाड़ी जो अपनी टीम के गोल की रक्षा करता है।

- मिडफील्डर (Midfielder): वह खिलाड़ी जो मैदान के बीच में खेलता है और रक्षा तथा आक्रमण दोनों में भूमिका निभाता है।
- गोलकीपर (Goalkeeper): वह खिलाड़ी जो अपनी टीम के गोलपोस्ट की रक्षा करता है और पेनल्टी क्षेत्र के अंदर गेंद को हाथों से छू सकता है।
- कैप्टन (Captain): टीम का नेतृत्व करने वाला खिलाड़ी।
- हैट्रिक (Hattrick): एक ही खिलाड़ी द्वारा एक मैच में तीन गोल करना।
- सेव (Save): गोलकीपर द्वारा गोल होने से गेंद को रोकना।
- सब्स्टीट्यूशन (Substitution): मैच के दौरान एक खिलाड़ी के स्थान पर दूसरे खिलाड़ी को मैदान पर उतारना।
- एक्स्ट्रा टाइम / इंजरी टाइम (Extra Time / Injury Time / Stoppage Time): मैच के दौरान खेल रुकने (चोट, सब्स्टीट्यूशन आदि) के कारण खोए हुए समय की भरपाई के लिए जोड़ा गया अतिरिक्त समय।
- टैकल (Tackle): विरोधी खिलाड़ी से गेंद छीनने का प्रयास करना।
- क्लियरेंस (Clearance): खतरे वाले क्षेत्र से गेंद को दूर हटाना।

संघ

1. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर (International Level)

- नामः फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (Federation Internationale de Football Association & FIFA)
- संक्षेप में: फीफा (FIFA)
- स्थापनाः 1904 में।
- कार्य यह दुनिया भर में एसोसिएशन फुटबॉल का सर्वोच्च शासी निकाय है। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जैसे फीफा विश्व कप (FIFA World Cup) का आयोजन करता है, नियमों का निर्धारण करता है, और वैश्विक स्तर पर फुटबॉल के विकास और प्रशासन की देखरेख करता है। इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में स्थित है।
  - फीफा के साथ 6 क्षेत्रीय संगठन जुड़े हुए हैं, जैसे एशियाई फुटबॉल परिसंघ (Asian Football Confederation - AFC) जो एशिया में फुटबॉल की देखरेख करता है।

2. राष्ट्रीय स्तर पर (भारत – National Level in India)

- नामः अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (All India Football Federation & AIFF)
- संक्षेप में: एआईएफएफ (AIFF)
- स्थापनाः 1937 में।
- कार्यः यह भारत में फुटबॉल का सर्वोच्च शासी निकाय है। यह भारत में फुटबॉल के सभी पहलुओं को व्यवस्थित करने और देखरेख करने के लिए जिम्मेदार है। ।प्थ्थ्, वैश्विक शासी निकाय फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (AFC) दोनों से संबद्ध है। यह इंडियन सुपर लीग (ISL), आई–लीग (I&League), संतोष ट्रॉफी (Santosh Trophy) और अन्य राष्ट्रीय लीगों व टूर्नामेंटों का आयोजन करता है। इसका मुख्यालय द्वारका, नई दिल्ली में स्थित है।

3. राज्य स्तर पर (बिहार – State Level in Bihar)

- नामः बिहार फुटबॉल संघ (Bihar Football Association)
- कार्यः यह बिहार राज्य में फुटबॉल खेल का शासी निकाय है। यह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) के तहत राज्य में फुटबॉल के विकास, राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन, रेफरी डेवलपमेंट प्रोग्राम (Referee Development Program) और बिहार से राष्ट्रीय टीमों के लिए खिलाड़ियों के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रसन्नजीत मेहता बिहार फुटबॉल संघ के अध्यक्ष हैं और सैयद इम्तियाज हुसैन सचिव हैं। ये फेडरेशन फुटबॉल खेल के विभिन्न स्तरों पर इसके सुचारु संचालन और विकास के लिए कार्य करते हैं।

प्रतियोगिताएँ

अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट (International Football Tournaments)
अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट वे प्रतियोगिताएँ हैं जहाँ विभिन्न देशों की राष्ट्रीय टीमें या विभिन्न महाद्वीपों के क्लब भाग लेते हैं।

- फीफा विश्व कप (FIFA World Cup):
  - यह फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है।
  - इसका आयोजन हर चार साल में फीफा (FIFA) द्वारा किया जाता है।
  - यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेल आयोजनों में से एक है। इसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए अलग–अलग विश्व कप होते हैं (जैसे FIFA Women's World Cup)।
- फीफा क्लब विश्व कप (FIFA Club World Cup):
  - यह एक वार्षिक प्रतियोगिता है जिसमें दुनिया के विभिन्न महाद्वीपों की शीर्ष क्लब टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं।
  - 2025 में इसका एक नया और विस्तारित प्रारूप USA में होने वाला है।
- महाद्वीपीय चैम्पियनशिप (Continental Championships):
  - यूईएफए यूरोपीय चैम्पियनशिप (UEFA European Championship / Euro Cup): यूरोप की राष्ट्रीय टीमों के बीच खेली जाने वाली प्रमुख प्रतियोगिता।
  - कोपा अमेरिका (Copa América): दक्षिण अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के बीच खेली जाने वाली प्रमुख प्रतियोगिता।
  - एएफसी एशियन कप (AFC Asian Cup): एशियाई राष्ट्रीय टीमों के बीच खेली जाने वाली प्रमुख प्रतियोगिता।
  - अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (Africa Cup of Nations & AFCON): अफ्रीकी राष्ट्रीय टीमों के बीच खेली जाने वाली प्रमुख प्रतियोगिता।
  - कोनकाकैफ गोल्ड कप (CONCACAF Gold Cup): उत्तर, मध्य अमेरिका और कैरिबियन की राष्ट्रीय टीमों के बीच खेली जाने वाली प्रमुख प्रतियोगिता।
- ओलंपिक खेल (Olympic Games & Football):
  - ओलंपिक में फुटबॉल भी एक इवेंट है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की टीमें भाग लेती हैं। पुरुषों के टूर्नामेंट में आमतौर पर अंडर–23 खिलाड़ियों को कुछ ओवर–एज खिलाड़ियों के साथ अनुमति दी जाती है।
- इंटरकांटिनेंटल कप / CAFA नेशंस कप (Intercontinental Cup / CAFA Nations Cup):
  - ये क्षेत्रीय या अंतर–क्षेत्रीय टूर्नामेंट होते हैं, जैसे CAFA नेशंस कप जिसमें मध्य एशियाई फुटबॉल एसोसिएशन के सदस्य और कुछ आमंत्रित टीमें भाग लेती हैं। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम CAFA नेशंस कप 2025 में भाग लेगी।

राष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट (भारत – National Football Tournaments in India)

भारत में फुटबॉल के कई राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें क्लब टीमें और राज्यों की टीमें भाग लेती हैं:

- इंडियन सुपर लीग (Indian Super League & ISL)रू
  - यह भारत की शीर्ष स्तरीय पेशेवर फुटबॉल लीग है।
  - इसमें भारतीय क्लब टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं और यह देश में फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ाने में महत्वपूर्ण रही है।
- आई–लीग (I&League):
  - यह ISL के बाद भारत की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण पेशेवर फुटबॉल लीग है।
  - इसमें भी विभिन्न क्लब टीमें शामिल होती हैं।
- डूरंड कप (Durand Cup)रू
  - यह भारत और एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता है, जिसकी शुरुआत 1888 में हुई थी।
  - यह एक प्रतिष्ठित नॉकआउट टूर्नामेंट है जिसमें भारत भर की टीमें भाग लेती हैं।
- संतोष ट्रॉफी (Santosh Trophy):
  - यह एक वार्षिक भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट है जिसमें देश के राज्यों और कुछ सरकारी संस्थानों की टीमें भाग लेती हैं।
  - यह 1941 से आयोजित किया जा रहा है और भारतीय फुटबॉल में इसका एक लंबा इतिहास है।
- सुपर कप (Super Cup):
  - यह फेडरेशन कप का नया नाम है, जो 1977 में शुरू हुआ था।
  - इसमें ISL और आई–लीग की टीमें प्रतिस्पर्धा करती हैं।
- भारतीय महिला लीग (Indian Women's League & IWL):
  - यह भारत में महिला क्लब फुटबॉल की शीर्ष स्तरीय लीग है।
- एआईएफएफ यूथ लीग (AIFF Youth League):
  - भारतीय फुटबॉल के जमीनी स्तर पर विकास के लिए विभिन्न आयु वर्गों (अंडर–13, अंडर–15, अंडर–17) के तहत आयोजित की जाने वाली युवा लीग।
- राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (National Championships):
  - सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चौंपियनशिप, जूनियर बॉयज/गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चौंपियनशिप, सब–जूनियर बॉयजध्गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप और नेशनल बीच सॉकर चैम्पियनशिप जैसी विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं।

भारत और बिहार के खिलाड़ियों का प्रदर्शन

फुटबॉल में भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ:

- फीफा रैंकिंग में सुधारः भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी फीफा रैंकिंग में सुधार किया है, जो विश्व फुटबॉल में उनकी बढ़ती पहचान को दर्शाता है।
- क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में सफलताः
  - सैफ चैम्पियनशिप (SAFF Championship): भारतीय पुरुष टीम इस क्षेत्रीय टूर्नामेंट में सबसे सफल टीमों में से एक रही है, जिसने कई बार यह खिताब जीता है। नवीनतम जीत 2023 में हुई थी।
  - इंटरकांटिनेंटल कप (Intercontinental Cup): भारत ने 2018 और 2023 में इंटरकांटिनेंटल कप जीता है, जो एक मल्टी–नेशन इनविटेशनल टूर्नामेंट है।
- महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भागीदारीः भारतीय पुरुष टीम ने एएफसी एशियन कप (AFC Asian Cup) जैसे महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भी भागीदारी की है, हालांकि अभी तक बड़े मंच पर कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है।
- महिला फुटबॉलः भारतीय महिला फुटबॉल टीम भी एशियाई स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रही है और सैफ चैम्पियनशिप में मजबूत प्रदर्शन करती रही है।
- युवा टूर्नामेंट में भागीदारीः भारतीय युवा टीमें भी विभिन्न आयु वर्ग के एशियाई टूर्नामेंटों में भाग लेती हैं।

जबकि भारत को अभी भी वैश्विक फुटबॉल दिग्गजों के स्तर तक पहुँचने के लिए एक लंबा रास्ता तय करना है, हाल के प्रदर्शन और बुनियादी ढांचे में निवेश ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के लिए सकारात्मक दिशा प्रदान की है।

राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ:

- राष्ट्रीय जूनियर बालिका फुटबॉल चैम्पियनशिपः बिहार की महिला खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन देखने को मिला है। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में होने वाली राष्ट्रीय जूनियर बालिका फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए बिहार टीम में सिवान जिले की सात महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है। ये खिलाड़ी रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी और एकलव्य आवासीय केंद्र मैरवा धाम से हैं।
- बिहार के खिलाड़ी नियमित रूप से विभिन्न आयु वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं और चैम्पियनशिप में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियाँ:

- फीफा विश्व कप अंडर–17: बिहार की फुटबॉलर अनीता ने फीफा वर्ल्ड कप अंडर–17 के लिए भारतीय टीम के 33 संभावित खिलाड़ियों की टीम में जगह बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी बड़े टूर्नामेंट की संभावना सूची में बिहार के खिलाड़ी का शामिल होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

फुटबॉल पर आधारित अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

प्र0 1.	**फुटबॉल क्या है?**
उत्तर	फुटबॉल, जिसे सॉकर भी कहा जाता है, एक टीम खेल है जो दो टीमों के बीच खेला जाता है, जिसमें प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं । इस खेल का उद्देश्य अपने पैरों का उपयोग करके विरोधी टीम के गोल में गेंद डालकर अंक प्राप्त करना हैं
प्र0 2.	**फुटबॉल मैच कितने समय का होता है?**
उत्तर	एक फुटबॉल मैच 45–45 मिनट के दो हिस्सों में खेला जाता है, जिसके बीच में 15 मिनट का हाफ टाइम ब्रेक होता है । कुल मिलाकर मैच 90 मिनट का होता है, जिसमें अतिरिक्त समय (Injury time) जोड़ा जा सकता हैं
प्र0 3.	**फुटबॉल में ऑफसाइड का नियम क्या है?**
उत्तर	एक खिलाड़ी ऑफसाइड तब होता है जब वह गेंद को पास किए जाने के समय विरोधी टीम के गोलपोस्ट के अधिक करीब होता है, और उसके और गोलकीपर के बीच केवल एक ही विरोधी खिलाड़ी (आमतौर पर गोलकीपर) होता है । यह नियम खिलाड़ियों को हमेशा गोलकीपर के पीछे रहने से रोकता है।
प्र0 4.	**फुटबॉल में लाल और पीला कार्ड क्यों दिया जाता है?**
उत्तर	पीला कार्ड गंभीर फाउल या खेल भावना के विरुद्ध व्यवहार के लिए चेतावनी के तौर पर दिया जाता है। लाल कार्ड बहुत गंभीर फाउल या दो पीले कार्ड मिलने पर खिलाड़ी को मैदान से बाहर कर दिया जाता है । लाल कार्ड मिलने पर वह खिलाड़ी मैच से बाहर हो जाता है और उसकी जगह कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं ले सकता।
प्र0 5.	**गोलकीपर के लिए क्या विशेष नियम होते हैं?**
उत्तर	गोलकीपर ही अपनी टीम के पेनल्टी क्षेत्र (Penalty Area) के अंदर गेंद को हाथों से छू सकता है । पेनल्टी क्षेत्र के बाहर, गोलकीपर भी एक सामान्य खिलाड़ी की तरह खेलता है और उसे गेंद को हाथों से छूने की अनुमति नहीं होती।
प्र0 6.	**थ्रो–इन, गोल किक और कॉर्नर किक कब दी जाती है?**
उत्तर	○ थ्रो–इनः जब गेंद साइडलाइन से बाहर जाती है, तो विरोधी टीम उस जगह से दोनों हाथों से सिर के ऊपर से गेंद को मैदान में फेंकती है। ○ गोल किकः जब गेंद गोललाइन से बाहर जाती है और हमलावर टीम ने उसे आखिरी बार छुआ हो, तो डिफेंडिंग टीम को गोलकीपर के गोल एरिया से किक मिलती है। ○ कॉर्नर किकः जब गेंद गोललाइन से बाहर जाती है और डिफेंडिंग टीम ने उसे आखिरी बार छुआ हो, तो हमलावर टीम को कॉर्नर एरिया से कॉर्नर किक मिलती है।

प्र0 7.	**भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने कौन सी अंतर्राष्ट्रीय सफलताएं हासिल की हैं?**
उत्तर	भारतीय पुरुष टीम ने सैफ चैम्पियनशिप (SAFF Championship) में कई बार जीत हासिल की है, जिसमें नवीनतम जीत 2023 में हुई थी । भारत ने 2018 और 2023 में इंटरकांटिनेंटल कप भी जीता है।। इसके अलावा, टीम ने अपनी फीफा रैंकिंग में सुधार किया है ।
प्र0 8.	**फुटबॉल में प्रमुख उपकरण क्या होते हैं?**
उत्तर	▪ फुटबॉल (The Ball): यह सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है, जो विभिन्न आयु वर्गों के लिए अलग–अलग आकार में उपलब्ध होती है। ▪ जर्सी / टीम किट (Jersey/Team Kit): इसमें शर्ट, शॉर्ट्स और मोजे शामिल होते हैं, जो हर टीम के लिए एक ही रंग के होते हैं। ▪ फुटबॉल शूजध्क्लीट्स (Football Shoes/Cleats): ये विशेष जूते होते हैं जिनमें तलवों पर स्टड लगे होते हैं ताकि घास के मैदान पर बेहतर पकड़ मिल सके। ▪ शिन गार्ड्स (Shin Guards): ये पिंडली को चोट से बचाने के लिए पहने जाते हैं। ▪ गोलकीपर के दस्ताने (Goalkeeper Gloves): केवल गोलकीपर ही दस्ताने पहनते हैं जो गेंद को पकड़ने और हाथों को चोट से बचाते हैं।